

सदिपा खबरे

निपटी का टारगेट घटाकर 25,000 हुआ

एजेंसी मुंबई। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने निपटी के लिए इस साल के अंत तक का टारगेट प्राइस घटाकर 25,000 कर दिया है, जो कि पहले 26,000 था। इसकी वजह अमेरिका से ट्रेड डील पर अनिश्चितता और भारतीय इक्विटी की आय में सुधार को लेकर चिंताएं बने रहना है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि बाजार में कुछ सुधार की उम्मीद है, लेकिन बिगडते व्यापक आर्थिक हालात, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और कॉरपोरेट आय पर लगातार दबाव के बीच, इसमें लंबे समय तक बढ़त की गुंजाइश सीमित दिखती है। बर्नस्टीन ने लगातार दूसरी बार निपटी के टारगेट प्राइस में कटौती की है। इससे पहले ब्रोकरेज फर्म ने इस साल की शुरुआत में निपटी के लिए 28,100 का लक्ष्य निर्धारित किया था। ब्रोकरेज फर्म को अपने पिछले साल के अंत के टारगेट से 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद थी। हालांकि, लगातार खराब होते वैश्विक आर्थिक हालातों, ऊर्जा की महंगी कीमतों और कमजोर आय के आउटलुक के चलते ब्रोकरेज फर्म ने निपटी के लिए अपना टारगेट प्राइस घटाया है।

रमुनोज़ी के कपाट 11 व बदरीनाथ के 16 नवम्बर को बंद होंगे

एजेंसी उत्तरकाशी। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध चार धामों में शामिल यमुनोज़ी धाम के कपाट आगामी 11 नवम्बर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। विजयदशमी के पावन अवसर पर मां यमुना के कपाट बंद करने की तिथि एवं शुभ मुहूर्त निर्धारित किया गया। तीर्थ पूरुहितों एवं मंदिर समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार भैयादूज के पावन पर्व पर बुधवार 11 नवम्बर को प्रातः 10 बजकर 28 मिनट पर शुभ लग्न में वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच मां यमुना के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। उधर चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ मंदिर के कपाट आगामी 16 नवम्बर को रात्रि 9 बज कर 37 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद होंगे।

जम्मू-कश्मीर में रवाई में समाई टात्री बस, 6 साल की बच्ची समेत दो की मौत

एजेंसी जम्मू। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में दूरदराज के इलाके में बुधवार को एक यात्री बस के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बस पचौड से रामनगर जा रही थी तभी सुबह करीब आठ बजे गुल्ली गला के पास यह हादसा हो गया। इस घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर लोहे के मलबे में तब्दील हो गई। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और 17 घायल यात्रियों को बसंतगढ़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचाया। अिाकारियों ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को रामनगर अस्पताल रेफर किया गया जहां एक महिला और छह साल की लड़की ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

ड्रग्स की समस्या को करेंगे खत्म

गृह मंत्री अमित शाह ने लिया नशा—मुक्त भारत का संकल्प, तारीख भी बता दी

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को 31 दिसंबर, 2029 तक भारत को नशा—मुक्त बनाने की घोषणा की। उन्होंने 2026 के बाकी समय और अगले तीन साल में नशीले पदार्थों के खिलाफ एकजुट लड़ाई की अपील की। शाह ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नेशनल पुलिस मेमोरियल पर पुलिस स्मृति दिवस पर भाषण देते हुए यह घोषणा की और कहा कि ड्रग्स की समस्या पूरे देश के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस मौके पर शाह ने कहा, शहमने 31 दिसंबर, 2029 तक भारत से ड्रग्स की समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पाने के लिए गृह मंत्री ने 2026 के बाकी समय और अगले तीन साल में नशीले पदार्थों के खिलाफ एकजुट लड़ाई की अपील की। उन्होंने देश

भारत ऑटोमोबाइल सेक्टर में तीसरी तिमाही में 33 सौदे हुए

एजेंसी नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर में 2026 की तीसरी तिमाही में 1.7 अरब डॉलर के 33 सौदे दर्ज किए गए। यह पिछली तिमाही के 71.7 करोड़ डॉलर के 20 सौदों से काफी अधिक है। इस वृद्धि के पीछे विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए), निजी पूंजी निवेश और सार्वजनिक बाजार से दोबारा धन जुटाने की गतिविधियों में तेजी प्रमुख कारण रहे। यह जानकारी फुावार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। ग्रांट थॉर्न्टन भारत की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछली तिमाही की तुलना में सौदों की संख्या में 65 प्रतिशत और उनके कुल मूल्य में 131 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और कार बदलाव निवेश का प्रमुख विषय बना रहा। निवेशकों ने ईवी निर्माताओं बैटरी तकनीक, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, मोबिलिटी प्लेटफॉर्म और ऑटोमोेटिव टेक्नोलॉजी से जुड़ी कंपनियों में पूंजी लगाई। रिपोर्ट में कहा गया कि निवेशकों ने ऐसी कंपनियों को प्राथमिकता देना जारी रखा, जिनका कारोबारी मॉडल बड़े स्तर पर विस्तार करने में सक्षम है, जिनके पास अलग पहचान वाली तकनीक है और जो भारत के बदलते शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। उधर चमोली जिले में स्थित बदरीनाथ मंदिर के कपाट आगामी 16 नवम्बर को रात्रि 9 बज कर 37 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद होंगे।

जम्मू-कश्मीर में रवाई में समाई टात्री बस, 6 साल की बच्ची समेत दो की मौत

एजेंसी जम्मू। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में दूरदराज के इलाके में बुधवार को एक यात्री बस के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बस पचौड से रामनगर जा रही थी तभी सुबह करीब आठ बजे गुल्ली गला के पास यह हादसा हो गया। इस घटना में बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर लोहे के मलबे में तब्दील हो गई। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और 17 घायल यात्रियों को बसंतगढ़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचाया। अिाकारियों ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को रामनगर अस्पताल रेफर किया गया जहां एक महिला और छह साल की लड़की ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

भर के पुलिस बलों से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तय लक्ष्य के मुताबिक, नशा—मुक्त भारत

सपा नेता राजकुमार भाटी ने हिंदू देवी-देवताओं की पूजा न करने की ली शपथ, बोले- धर्म परिवर्तन का इरादा नहीं

एजेंसी नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। वीडियो में वह ब्रह्मा, विष्णु, महेश समेत हिंदू देवी-देवताओं को भगवान न मानने और उनकी पूजा नहीं करने की शपथ लेते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद उनके धर्म परिवर्तन कर बौद्ध धर्म अपनाने के दावे भी किए जाने लगे। हालांकि, राजकुमार भाटी ने इन अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह हिंदू हैं और हिंदू धर्म छोड़ने का उनका कोई इरादा नहीं है। उनके मुताबिक, सोशल मीडिया पर उनके बारे में गलत जानकारी फैलाई जा रही है। भाटी ने अपने वीडियो संदेश में बताया कि वह 20 अक्टूबर को दिल्ली के रानी झांसी मार्ग स्थित अंबेडकर भवन में भारतीय बौद्ध महासभा के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि एक सच्चे समाजवादी के रूप में वह सभी धर्मों, जातियों, वर्गों और समुदायों का सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अलग-अलग समुदायों के लोग जब उन्हें अपने कार्यक्रमों में आमंत्रित करते हैं, तो वह सम्मानपूर्वक वहां पहुंचते हैं। भाटी के मुताबिक,

वाली पीढ़ियों को नुकसान पहुंचाता है, अर्थव्यवस्था पर बेवजह बोझ डालता है और देश विरोधी गतिविधियों

सपा नेता राजकुमार भाटी ने हिंदू देवी-देवताओं की पूजा न करने की ली शपथ, बोले- धर्म परिवर्तन का इरादा नहीं

वह सिख समुदाय के आमंत्रण पर गुरुद्वारे जाते हैं, मुस्लिम समुदाय के कार्यक्रमों में शामिल होते हैं और हिंदू धर्म के त्योहारों में भी भाग लेते हैं। राजकुमार भाटी ने कहा कि उन्हें बौद्ध धर्म और गौतम बुद्ध की शिक्षाओं

सुप्रीम कोर्ट से वाईएसआर कांग्रेस को राहत, निकाय चुनावों के उम्मीदवारों की अंतिम सूची का प्रकाशन 25 अक्टूबर तक स्थगित

राज्य चुनाव आयोग तथ्यों के आधार पर विचार कर फैसला ले। जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की वेकेशन बेंच ने मामले की सुनवाई की। जस्टिस बागची ने कहा कि हम तारीख बदलने के लिए कोई एक्तरफा आदेश जारी नहीं करेंगे। चुनाव आयोग हर मामले को अलग-अलग देखेगा और संभावित उम्मीदवारों द्वारा दिए गए जस्टिस बागची ने कहा कि सभी को समान अवसर मिलने चाहिए। दूसरी पार्टी सत्ताधारी दल से मुकाबला करने की कोशिश कर रही है, इसे सम्मानजनक तरीके से होने दें। वाईएसआर पार्टी ने आरोप लगाया है कि उसके उम्मीदवारों पर हमला किया गया, उनके नामांकन पत्र फाड़ दिए गए और उन्हें नामांकन केंद्रों से भागाया गया। चुनावी हिंसा के कारण आगामी आंध्र प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए उसके उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से रोका गया। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की नामांकन दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया था। नगर निगम चुनाव के मतदान 28 अक्टूबर को होने हैं।

के बाद से अब तक कुल 36,852 पुलिसवालों ने ज्यूटी के दौरान अपनी जान दी है, जिसमें इस साल 154 लोगों ने सबसे बड़ा बलिदान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि देश के नागरिक शहीदों और उनके परिवारों के बलिदान के लिए आभारी हैं। बता दें कि 21 अक्तूबर, 1959 को हॉट स्प्रिंग्स, लद्दाख में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों के हमले में दस बहादुर पुलिसवालों ने अपनी जान दे दी थी। तब से, हर साल 21 अक्तूबर को पुलिस स्मृति दिवस के तौर पर मनाया जाता है। पुलिसवालों के बलिदान और देश की सुरक्षा और एकता बनाए रखने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका को देखते हुए, प्रधानमंत्री ने पुलिस स्मृति दिवस 2018 पर चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में नेशनल पुलिस मेमोरियल (एनपीएम) देश को समर्पित किया।

सपा नेता राजकुमार भाटी ने हिंदू देवी-देवताओं की पूजा न करने की ली शपथ, बोले- धर्म परिवर्तन का इरादा नहीं

तथा पाखंड के खिलाफ आवाज उठाई जा सकती है। सपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया गया और यह दावा फैलाया गया कि उन्होंने हिंदू धर्म त्याग दिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसी खबरों पर बिना पुष्टि किए भरोसा न करें और किसी तरह की गलतफहमी न पालें। राजकुमार भाटी के बयान के बाद कहा कि गौतम बुद्ध के उपदेशों और बाबा साहब की शिक्षाओं का समर्थन करने के लिए धर्म बदलना जरूरी नहीं है। उनके अनुसार, किसी भी उर्ाम में रहते हुए मानवता की सेवा हो जा सकती है और समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत, घृणा, अंधविश्वास

भारतीय सेना को मिलेंगे अत्याधुनिक हल्के रडार

रक्षा मंत्रालय ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ 770 करोड़ का किया करार

एजेंसी नयी दिल्ली। दुश्मन के लड़ाकू विमानों और छोटे ड्रोन की गतिविधिाओं पर नजर रखने के लिए भारतीय सेना की क्षमता और मजबूत होने जा रही है। रक्षा मंत्रालय ने बेहतर क्षमता वाले हल्के रडार खरीद के लिए अनुबंध किया है। इसके लिए

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ करीब 770 करोड़ रुपये का करार किया गया है। इन रडार की मदद से लड़ाकू विमान के आकार वाले हवाई लक्ष्यों के साथ छोटे और सूक्ष्म ड्रोन का भी पता लगाया जा सकेगा। इन रडार से मानवरहित हवाई प्रणालियों का होने वाले खतरों का मुकाबला करने में सेना को मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय ने यह करार 21 अक्टूबर

को नयी दिल्लीमें रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में किया। इसके तहत बेहतर क्षमता वाले हल्के रडार खरीदे जाएंगे। ये रडार निम्न उंचाई पर निगरानी करने की क्षमता से लैस होंगे। इनकी खासियत हवाई लक्ष्यों का पता लगाने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के

साथ—साथ उनकी प्राथमिकता तय करने की क्षमता भी है। इन रडार को इस तरह तैयार किया गया है कि ये लड़ाकू विमान के आकार वाले लक्ष्यों के अलावा छोटे और सूक्ष्म ड्रोन का भी पता लगा सकें। गौरतलब है कि आधुनिक युद्ध में मानवरहित हवाई प्रणालियों का इस्तेमाल एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ऐसे में इन रडार की मदद से सेना को हवाई खतरों की पहचान

करने और उनके अनुसार कार्रवाई की तैयारी करने में मदद मिलेगी। इनकी एक अतिरिक्त विशेषता हवाई लक्ष्यों को प्राथमिकता देने की क्षमता है। इससे निगरानी के दौरान महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता मिलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह करार देश में एयर डिफेंस सिस्टम के स्वदेशीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को भी रक्षा उत्पादन से जुड़े तंत्र में प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह खरीद वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप है। इसका उद्देश्य एक मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम रक्षा उद्योग का निर्माण करना है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि करीब 770 करोड़ रुपए का यह करार न केवल भारतीय सेना की हवाई निगरानी क्षमता को मजबूत करने की दिशा में अहम है, बल्कि देश में आधुनिक वायु रक्षा उपकरणों के स्वदेशी निर्माण को आगे बढ़ाने में भी योगदान देगा।

पीएम-दक्ष योजना पर कांग्रेस का हमला, बोली- 240 सीटों पर सिमटने का एससी, एसटी और ओबीसी से बदला ले रही मोदी सरकार

एजेंसी नयी दिल्ली। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही (पीएम- दक्ष) योजना को लेकर कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। बुधवार, 21 अक्टूबर को कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वंचित वर्गों को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो रही है। पार्टी का दावा है कि योजना के क्रियान्वयन में देरी और आवंटित बजट का पूरा इस्तेमाल नहीं होने से इसके लाभार्थियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं के प्रचार और सुर्खियों पर अधिक ध्यान देती है, जबकि जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। जयराम रमेश के मुताबिक, पीएम-दक्ष योजना के क्रियान्वयन और पिछले वर्षों में आवंटित बजट के खर्च को लेकर गंभीर सवाल हैं। कांग्रेस का कहना है कि इस योजना

का मकसद सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों के लोगों को रोजगार के योग्य बनाना तथा उनकी आजीविका के अवसर बढ़ाना है। योजना के तहत अनुसूचित जाति (एसी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और

विमुक्त, घुमंतू तथा अर्ध-घुमंतू जनजातियों के लोगों को कौशल विकास से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। कांग्रेस का आरोप है कि यदि प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होगा, तो जरूरतमंद वर्गों तक सरकारी सहायता पहुंचाने का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। हालांकि, योजना

से प्रधानमंत्री के नाम वाली दक्षता योजना भी प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पा रही है, उसे अपने कामकाज पर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने इसे सरकार की प्रशासनिक विफलता करार दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार जनता का विश्वास खो रही है।

उत्तराखंड के मदरसों में अब शुक्रवार को नहीं होगी सुट्टी, अन्य विद्यालयों की तरह लागू होगी व्यवस्था

एजेंसी देहरादून। उत्तराखंड में शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त करने वाले और मान्यता के लिए आवेदन करने वाले मदरसों की साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। राज्य के 206 मदरसों में अब शुक्रवार को साप्ताहिक छुट्टी नहीं होगी। इन संस्थानों में अन्य विद्यालयों की तरह निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू की जाएगी। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण ने इस संबंध में शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राधिकरण का कहना है कि विभाग से मान्यता लेने वाले मदरसों को निर्धारित शैक्षिक मानकों और नियमों का पालन करना होगा। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के निर्देशों का असर उन मदरसों पर भी पड़ेगा, जो शिक्षा विभाग से मान्यता लेने की प्रक्रिया में हैं। प्राधिकरण के मुताबिक, मान्यता प्राप्त करने या इसके लिए आवेदन करने वाले संस्थानों को विभागीय नियमों के अनुरूप शैक्षणिक व्यवस्था संचालित करनी होगी। इसी क्रम में शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश रखने की

पुरानी व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है। प्राधिकरण ने इस विषय में शिक्षा महानिदेशक को पत्र भेजकर आवश्यक कदम उठाने को कहा है। अधिकारियों के अनुसार, कुछ मदरसों

24 मदरसों को मान्यता मिली है। देहरादून में 41 में से छह और नैनीताल में 18 में से दो मदरसे शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त कर चुके हैं। इसके अलावा 114 मदरसों ने मान्यता के

में मान्यता मिलने के बाद भी शुक्रवार को छुट्टी जारी रखी जा रही थी। अब ऐसे संस्थानों में निर्धारित साप्ताहिक अवकाश व्यवस्था लागू कराने पर जोर दिया जा रहा है। उत्तराखंड में अब तक 76 मदरसों को शिक्षा विभाग से मान्यता मिल चुकी है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, हरिद्वार जिले में 270 मदरसों में से 44 को मान्यता दी गई है। ऊधमसिंह नगर में 119 में से

लिए शिक्षा विभाग में आवेदन किया है। इस तरह मान्यता प्राप्त और आवेदन करने वाले मदरसों की कुल संख्या 206 बताई गई है। इन्हीं संस्थानों में साप्ताहिक अवकाश के नियमों को लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी के अनुसार, प्रदेश में मदरसा शिक्षा व्यवस्था में बदलाव

के तहत 206 मदरसों के 30 हजार से अधिक बच्चे मुख्यधारा की शिक्षा से जुड़ चुके हैं। इन संस्थानों में धार्मिक शिक्षा के साथ सामान्य विद्यालयों की तर्ज पर शैक्षणिक गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। प्राधिकरण का उद्देश्य मदरसों में शिक्षा के निर्धारित मानकों को लागू करना और विद्यार्थियों को मुख्यधारा की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना है। इसके तहत धार्मिक अध्ययन के साथ विद्यालयी शिक्षा को भी महत्व दिया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को व्यापक शैक्षिक अवसर मिल सकें। डॉ. सुरजीत सिंह गांधी ने बताया कि शिक्षा विभाग से मान्यता लेने से पहले मदरसों में शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश रखा जाता था। हालांकि, प्राधिकरण के संज्ञान में आया कि कुछ मदरसे मान्यता प्राप्त करने के बाद भी इसी व्यवस्था का पालन कर रहे थे। इस पर रोक लगाने और निर्धारित नियमों को लागू करने के लिए शिक्षा महानिदेशक को पत्र लिखा गया है। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक कुंवर सिंह रावत ने कहा कि मदरसों को विद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है।

सम्पादकीय सिंहासन खाली करो कि जनता आती है!

बिहार में चुनाव के मौके पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामधारी सिंह दिनकर को याद करना नहीं भूलते हैं। लेकिन, लगता है कि इस महान कवि की उक्त कालजयी पंक्ति को समझ कर भी नासमझ बनने की मुद्रा अपनाने में ही प्रधानमंत्री ने अपना फायदा समझा है। वर्ना पिछले करीब हफ्ते भर से सत्ताधारी निजाम जिस तरह से अपने हटाए जाने की देसी ही नहीं विदेशी तक साजिशों का सरासर झूठा शोर मचाकर, अपने राज में रचे गए चुनावों की ही बेमानी बना देने के संविधानविरोधी, जनतंत्रविरोधी षड्यंत्र पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है, उसने दिनकर की उक्त पंक्ति को कब का राष्ट्रद्रु-विरोधी घोषित कर दिया होता। क्योंकि कवि ने जनता की इच्छा के लिए, सिंहासन खाली करने की बात तो कही है, लेकिन इसमें साफ-साफ शब्दों में यह शर्त तो जोड़ी ही नहीं है कि चुनाव के जरिए जनता (की इच्छा) आती है! यह और भी विडंबनापूर्ण है कि अपने विरोधियों और आलोचकों पर, चुनाव के जरिए सत्ता परिवर्तन के जनतांत्रिक तरीके के बजाए, अलोकतांत्रिक तरीकों से सत्ता परिवर्तन का षड्यंत्र रचने के आरोप, वही सत्ताधारी संघ-भाजपा का आरोप, वास्तव में देश में चुनाव को ही निरर्थक बना देने के मौजूदा निजाम के इंतजामों का ही पूरक है। सत्ताधारियों को चिंता है कि इसका इंतजाम तो उन्होंने कर लिया है कि चुनाव के जरिए उन्हें सत्ता से हटायी ही नहीं जा सकती है, लेकिन यह भी रश्नता के आ धमकनेश् से तो पूर्ण सुरक्षा नहीं देता है। तानाशाहों को जनता के आने के खिलाफ सुरक्षा के लिए हमेशा राजकीय हिंसा की जरूरत होती है और जनता से पूर्ण सुरक्षा के लिए, उसकी हरेक हरकत को, हरेक आंदोलन को आपराधिक षड्यंत्र बना देने की। अपने खिलाफ जनता के हरेक आंदोलन को, अपनी हरेक गंभीर आलोचना को, आपराधिक षड्यंत्र बना देने में वर्तमान मोदी-शाह निजाम ने भारी महारत हासिल कर ली है। इस जनविरोधी और बुनियादी अर्थ में जनतंत्रविरोधी खेल के सिर्फ तीन खास उदाहरणों की यहां याद दिलाना ही काफी होंगाकृमीमा कोरेगंवा षड्यंत्र केसय तीन काले कानूनों के खिलाफ देश के किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन और तथाकथित दिल्ली दंगा वृहत्तर षड्यंत्र केस। बेशक, ऐसे ही उदाहरण और भी अनेक हैं, लेकिन यहां इन तीन उदाहरणों का ज़िक्र सिर्फ यह रेखांकित करने के लिए किया जा रहा है कि मोदी निजाम ने, अपने नियंत्रण से बाहर जनता की हरेक ग़ोबंदी को, राष्ट्रद्रुविरोधी षड्यंत्र साबित करने कोशिश करने को नियम ही बना लिया है। और तो और, मोदी के सर्वाधिाक कृपाप्राप्त, महा-धन्नासेठ, अडानी की कारोबारी धांधलियों और गडबड़ियों को उजागर किए जाने को भी वर्तमान निजाम ने हर बार, भारत-विरोधी षड्यंत्र बनाने की ही कोशिश की है। इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि नीट परीक्षा लीक के बहाने, शिक्षा की बहाली तथा रोजगार के अभाव की युवाओं की चिंताओं के गिर्द और कॉकरोच जनता पार्टी तथा वामपंथी छात्र संगठनों की पहल पर, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को केंद्र में रखकर देश में विशेष कर युवाओं या जेन जी की गोलबंदी हुई थी, मोदी राज ने उसे भी अपने खिलाफ देशी-विदेशी षड्यंत्र बनाने की और शासन की ताकत के बल पर दबाने की हर मुमकिन कोशिश की थी। यह दूसरी बात है कि दमन के उसके ये हथकण्डे उसके लिए उल्टे पड़े गए और उसके अपने मध्यवर्गीय समर्थन आधार में भी दरारें पड़ने लगीं, जिसे संभालने की कोशिश में उसे अपनी हमारे राज में इस्तीफे नहीं होते की तानाशाहाना ठसक को छोड़कर, प्रधान का इस्तीफा लेना पड़ा। लेकिन, तब तक खुल्लमखुल्ला सत्तापक्ष का पहरेछा बन गए चुनाव आयोग की मदद से, मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर मर्जी के नाम जोड़ने और नापसंद नाम काटने के जरिए, चुनावों को प्रभावित करने के खेल को, मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआरआर के जरिए, सत्ताधारियों के हिसाब से मतदाताओं की चुनाव के स्तर पर पहुंचा दिया और वह भी खुल्लमखुल्ला मनमानी करते हुए। बंगाल के चुनाव में यह खेल एकदम ही खुलकर सामने आ गया, जहां केंद्र में सत्ताधारी भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए, न सिर्फ समूची चुनावी मशीनरी तथा चुनावों के दौरान प्रशासनिक मशीनरी को ठोक-पीटकर केंद्रीय सत्ता के प्रति वफादार बना दिया गया बल्कि पूरे सत्ताईस लाख मतदाताओं का मताधिकार घोषित रूप से छीनते हुए, जोकि टार्गेटेड तरीके से किया जा रहा था, चुनाव कराए गए, जिसने चुनाव को ही सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। ये लाखों मतदाता चुनाव के महीनों बाद भी अनिश्चितता के झूले में झूल रहे हैं, जबकि बंगाल में चुनाव आयोग की मदद से कराए गए रिज्ीम चेंज या सत्ता परिवर्तन के बाद से, इनकी नागरिकता पर भी सवालिया निशान लगा दिए गए हैं। इसी सब की पृष्ठभूमि में, जब यह तथ्य सामने आया कि एसआईआर की प्रक्रिया में, जिससे अब भी देश का एक हिस्सा कवर नहीं हुआ है, पिछली मतदाता सूचियों में रहे पूरे 13 करोड़ 30 लाख नाम बाहर किए जा चुके हैं, जो कि दुनिया के आठ-दस सबसे बड़े देशों को छोड़कर, बाकी सभी देशों की आबादी से भी ज्यादा संख्या है, तो इस प्रक्रिया के साथ शुरुआत से ही लगा रहा श्वोट चोरिश् का संदेह यकीन में बदल गया और इसकी आलोचनाएं एक जन-विक्षेप में। राजधानी दिल्ली में, जहां हर तीसरा मतदाता इसकी कैंची के नीचे आ गया और दो चुनाव आयुक्तों समेत, अनेक वीआईपी मतदाताओं का वोट खतरे में आ गया, जिनके लिए चुनाव आयोग को संबंधित एप में अलग से विशेष व्यवस्था भी करनी पड़ी और दूसरी ओर, कई मतदान केंद्रों पर करीब सारे के सारे वोट ही एसआईआर की कैंची के नीचे आ गए, मीडिया में अपेक्षाकृत अधिक तथा मतदाताओं के प्रति सहानुभूतिपूर्ण कवरेज ने इस विभीषिका को देश भर के सामने गहरे रंग से रेखांकित कर दिया। इसी पृष्ठभूमि में आए इंडियन एक्सप्रेस तथा अन्य प्रकाशनों के रहस्योद्घाटनों ने विपक्ष की बदतरीन आशंकाओं की सचाई के सबूत पेश कर दिए। अब यह साफ था कि मतदाता सूचियों में फेर-बदल की सारी प्रक्रिया, खुद चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं से भी स्वतंत्र, एक गुट-विशेष या कोटरी के ही हाथों में केंद्रित हो गयी थी, जो पूरी तरह से मनमाने तथा अपारदर्शी तरीके से इस प्रक्रिया को संचालित कर रही थी। इसे खुद चुनाव आयुक्तों के बहुमत को किनारे कर के सीधे मुख्य चुनाव आयुक्त की इच्छा से संचालित किया जा रहा था और इस व्यवस्था के तार सत्ता के शीर्ष से जुड़े हुए थे। इसीआईनैट के जिस कंप्यूटरी ताने-बाने के जरिए इस समूची प्रक्रिया को संचालित किया जा रहा था, उसका नियंत्रण पूरी तरह से केंद्र के चंद खासल खासों तक सीमित था। दूसरी ओर, जो ईआरओ कानूनन मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने-हटाने के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें इस प्रक्रिया में पूरी तरह से अधिकारहीन बना दिया गया था। और मनमानी का आलम यह था कि बंगाल में, 16 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम, पूरी प्रक्रिया के बाद सूची से हटाने के लिए खुद चुनाव आयोग की ओर से अपीलें दायर की गयी थीं, जो केंद्र में कंप्यूटर-भणाली के जरिए और वास्तव में दो चुनाव आयुक्तों के अंधेरे में रखकर किया जा रहा था। बाद में उत्तराखंड आदि अन्य कई राज्यों में भी चुनाव आयोग के रसिस्टन्स द्वारा ही फार्म 7 के जरिए मतदाताओं के नाम काटे जाने जानकारियां सामने आयीं। दूसरी ओर खासतौर पर भाजपा तथा संघ परिवार के विभिन्न बाजुओं द्वारा फार्म 7 के जरिए, थोक में उत्तराखंड से लेकर तेलंगना व कर्नाटक तहक, विरोधी भी राजनीतिक रूप से संदिग्ध मतदाताओं के नाम कटवाए जाने और उत्तर प्रदेश तथा कई अन्य राज्यों से फार्म 6 के जरिए इसी तरह लाखों नाम जोड़े जाने के की खबरे भी सामने आयीं हैं।

असद मिर्जा यमन के हूतियों के साथ सऊदी अरब का नया टकराव दिखाता है कि हवाई ताकत की सीमाएं हैं, खासकर ऐसे लचीले आंदोलन के सामने जिसकी जड़ें स्थानीय राजनीति, भूभाग और विचारधारा में हैं। अब्दुल-मलिक अल-हूती के नेतृत्व वाला यह समूह अपेक्षाकृत कम लागत पर हवाई अड्डों और जहाजों के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इससे रियाद के कामने दुविधा है कि जवाबी कार्रवाई करे या तनाव बढ़ने, नागरिकों को होने वाले नुकसान और एक और अंतहीन युद्ध का जोखिम उठाए। सऊदी अरब 2015 में यमन के युद्ध में इस मकसद से उतरा था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल किया जाए और अपनी दक्षिणी सीमा पर एक शत्रुतापूर्ण आंदोलन को मजबूत होने से रोका जाए। वर्षों के हवाई हमलों, नाकेबंदी और गठबंधन युद्ध के बावजूद यह लक्ष्य हासिल नहीं हुआ। अब हतियों द्वारा सऊदी हवाई अड्डों और समुद्री यातायात पर नए हमलों की खबरें एक खतरनाक उलटफेर की ओर इशारा करती हैं। राज्य एक बार फिर ऐसे प्रतिद्वंद्वी का सामना कर रहा है जिसे वह रोक नहीं पाया, जबकि निर्णायक का जीत की संभावना दूर बनी हुई है। दांव बहुत ऊंचे हैं। 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए संघर्षविराम के बाद शांत पड़ा यह क्षेत्रीय संघर्ष फिर तेज हो गया है। हूती सऊदी ठिकानों और बाब अल-नदब जलडमरूमध्य के पास व्यावसायिक

जहाजों को निशाना बना रहे हैं। यह जलडमरूमध्य लाल सागर और अदन की खाड़ी के बीच का अहम रास्ता है। अब्दुल-मलिक अल-हूती 2004 से आंदोलन के नेता हैं। वे हुसैन इस आंदोलन की स्थापना की थी। आंदोलन के केंद्रीय राजनीतिक, ६ ार्मिक और सैन्य चेहरे बन गए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध 1-सारांश के अनुसार, हूती बलों ने सितंबर 2014 में सना पर कब्जा किया और अगले जनवरी में यमन की सरकार को हटाने की कोशिश की। आंदोलन की विचारधारा जैदी ९ ार्मिक पहचान, यमनी राष्ट्रवाद और अमेरिका तथा इजरायल के विरुद्ध प्रतिरोध की व्यापक भाषा को जोड़ती है। इसके नेता अपने संघर्ष को विदेशी हस्तक्षेप और उत्पीड़न के विरुद्ध रक्षा के रूप में प्रस्तुत करते हैं और अपनी क्षेत्रीय छवि को बढ़ाने के लिए फिलिस्तीनियों के समर्थन का इस्तेमाल करते हैं। यह प्रस्तुति यमन से बाहर भी असर डाल सकती है, लेकिन यह जटिल राजनीतिक संघर्षों को सम्यताओं के टकराव में सीमित कर देती है। विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि हूती संदेश अक्सर व्यापक रूप से इस्लाम का हवाला

देते हैं, जबकि आंदोलन की विशिष्ट धार्मिक जड़ें जैदी हैं। इसकी बयानबाजी में यहूदी-विरोधी धारणाएं भी शामिल रही हैं। न इसके राजनीतिक दावों को और न इसके कार्यों को इस्लाम या समस्त यमनियों का प्रतिनिधि माना जाना चाहिए। सऊदी अरब की सैन्य बढ़त जमीन पर नियंत्रण में नहीं बदल पाई। हूती उत्तर के दुर्गम पहाड़ी इलाकों से काम करते हैं, स्थानीय समुदायों में रचे-बसे नेटवर्क रखते हैं और उन्होंने विद्रोह तथा असममित युद्ध का अनुभव विकसित किया है। मिसाइलों और ड्रोंनों के सहारे वे राज्य की पारंपरिक सेना की बराबरी किए बिना दूर के बुनियादी ढांचे को खतरें में डाल सकते हैं। सऊदी वायु-रक्षा 1-सारांश के अनुसार, हूती बलों ने सितंबर 2014 में सना पर कब्जा किया और अगले जनवरी में यमन की सरकार को हटाने की कोशिश की। आंदोलन की विचारधारा जैदी ९ ार्मिक पहचान, यमनी राष्ट्रवाद और अमेरिका तथा इजरायल के विरुद्ध प्रतिरोध की व्यापक भाषा को जोड़ती है। इसके नेता अपने संघर्ष को विदेशी हस्तक्षेप और उत्पीड़न के विरुद्ध रक्षा के रूप में प्रस्तुत करते हैं और अपनी क्षेत्रीय छवि को बढ़ाने के लिए फिलिस्तीनियों के समर्थन का इस्तेमाल करते हैं। यह प्रस्तुति यमन से बाहर भी असर डाल सकती है, लेकिन यह जटिल राजनीतिक संघर्षों को सम्यताओं के टकराव में सीमित कर देती है। विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि हूती संदेश अक्सर व्यापक रूप से इस्लाम का हवाला

करते रहे हैं। सऊदी नेतृत्व के सामने जानी-पहचानी दुविधा है या तो तनाव बढ़ाए और हवाई अड्डों, ऊर्जा संपत्तियों तथा जहाजों पर जवाबी हमलों का जोखिम उठाए, या समझौते की राह चुने जो हतियों को मजबूत और जमा हुआ छोड़ सकता है। हाल की रिपोर्टिंग में उद्भूत विश्लेषक दोनों विकल्पों को कठिन बताते हैं, खासकर नागरिक बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों के बाद। इसकी कीमत युद्धक्षेत्र से आगे तंबक जाती है। यमन की आबादी ने वर्षों तक विस्थापन, खाद्य असुरक्षा और क्षतिग्रस्त स्वास्थ्य सेवाओं को झेलना है। नए सिरे से हो रही लड़ाई पहले से गंभीर मानवीय संकट को और बढ़ाने का खतरा पैदा करती है। समुद्री हमलों के नतीजे भी यमन से कहीं दूर तक पहुंचते हैं। बाब अल-मंदब का रास्ता यूरोप के एशिया के बीच जहाजगमन को जोड़ता है, और उसमें बाधा से बीमा तथा परिवहन लागत बढ़ सकती है, माल की आपूर्ति में देरी हो सकती है और ऊर्जा बाजार अस्थिर हो सकते हैं। एक घरेलू युद्ध को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खतरें में बदल देने की हतियों की क्षमता उन्हें उनकी पारंपरिक सैन्य ताकत से कहीं ज्यादा प्रभाव देती है। क्षेत्रीय राजनीति सऊदी गणनाओं को और जटिल बनाती है। हतियों के साथ आगमि लक्ष्य वाला लंबा संघर्ष बन गया। हवाई शक्ति और नाकेबंदी दबाव बना सकती थी, लेकिन उन्होंने उन शिकायतों को भी गहरा करने का जोखिम उठाया जिनका इस्तेमाल हूती भर्ती और लामबंदी के लिए

गैंगस्टर को कानूनी संरक्षण क्यों

फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर मुंबई में रविवार शाम उस समय सरैराह गोलियां बरसाई गईं, जब वे फुटबॉल खेलने के बाद अपनी गाड़ी में बैठकर घर की तरफ जा रहे थे। भीड़भाड़ होने की वजह से गाड़ी की रफ्तार धीमी थी, अभिनेता को देखने के लिए लोग जमा थे, हाथों में मोबाइल थे, लिहाजा घटना के कई वीडियो भी सामने आए हैं। जिनमें साफ दिख रहा है कि दो लोग आराम से पिस्तौल निकाल कर गोलियां बरसाते हैं और फिर भाग जाते हैं। फिल्मों और धारावाहिकों में तो ऐसे कई दृश्य देखे गए हैं, लेकिन असल जिंदगी भी फिल्मी कहानियों से अलग कहां हैं। इस गोलीबारी में टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बचे, अलबत्ता उनके ड्राइवर को हाथ में गोली लगी और कार के बगल में ही मौजूद एक अन्य व्यक्ति को भी गोली लगी। टाइगर श्रॉफ फिल्म में अपने एक्शन और स्टंट सीन्स के लिए खासे मशहूर हैं और ये देखकर अच्छा लगा कि घटना के बाद उन्होंने पर्दे की तरह बहादुरी दिखाते हुए ड्राइविंग सीट पर आकर स्ट्रीयरिंग सभाला और अपने ड्राइवर को अस्पताल ले गए। आप पर गोलियां चलें और उसके कुछ क्षणों में ही आप खुद को संभाल लें, यह काम आसान नहीं है। इस घटना के बाद अनिल पंडित और

यूरोप में बवाल

फ्रांस में स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शुरु हुआ आंदोलन धीरे-धीरे आगजनी और मौल व महंगे स्टोरों में लूट तक जा पहुंचा है। निस्संदेह, कथित वैश्वीकरण और उदात्तकरण के चलते वैश्विक स्तर पर उपजी आर्थिक विषमता ने अमीरी-गरीबी के खाई को और गहरा किया है। एक ओर जहां व्यापार के केंद्र बने अभिजात्य वर्ग के स्कूल-कॉलेज व विश्वविद्यालय फल-फूल रहे हैंवहीं सरकारी अनुदान से चलने वाले शिक्षण संस्थानों की बदहाली जगजाहिर है। यह विषमता विश्वव्यापी है और आक्रोश भी। दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों के अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित व्यवस्था में तब्दील होती गई। राजनेताओं व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालांकि,

ा के हिसाब से लोगों को मारना या धमकाना अपराध के अलावा और कुछ नहीं हो सकता। लेकिन इस पर ज्यादा चर्चा इस समय इसलिए नहीं हो रही है क्योंकि लॉरेंस बिश्नोई की इसी तरह गोलियों से जान ले गई थी, फिर सलमान खान के घर पर भी गोलीबारी की गई थी। उधर पंजाब में गायक सिद्धू मूसेवाला को भी ऐसे ही मारा गया था। तमाम घटनाओं में लॉरेंस बिश्नोई का ही नाम सामने आ रहा है। अनिल पंडित और हरमन संधू का कहना है कि टाइगर श्रॉफ को सलमान खान के साथ काम न करने की हिदायत दी गई थी, लेकिन उसने बात नहीं मानी। दरअसल बिश्नोई गैंग सलमान खान के काले हिरण के शिकार वाले मामले में उनका दुश्मन बना हुआ है। हालांकि कानून हाथ में लेने का यह कोई बहाना नहीं होता। असल बात यह है कि अब लॉरेंस बिश्नोई वही जगह ले चुका है जो एक वक्त हाजी मस्तान या दाउद इब्राहिम जैसे कुख्यात अपराधियों की होती थी। फर्क इतना ही है कि लॉरेंस बिश्नोई ने हिंदुत्व का कवच ओढ़ रखा है। सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है कि कितने दक्षिणपंथी लोगों ने लॉरेंस बिश्नोई की शान में समय-समय पर कसीदे दहे हैं। कानून हाथ में लेते हुए अपनी सुवि

सामाजिक असंतोष की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारापात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है। इसीलिए भविष्य की आशंकाओं ने युवाओं को आक्रोशित किया। दरअसल, यूरोप के जिन तमाम देशों में फिलहाल आक्रोश की लपटें दिखायी दे रही हैं, उनके मूल में सिर्फ युवाओं का गुस्सा ही नहीं है। इस तपिश में रोटी सेंकने के लिये राजनीतिक दल आतुर दिखायी देते हैं। फ्रांस में जहां दक्षिणपंथी उभार के खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमराए और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गई। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से ईंधन के दामों में अत्यधिक वृद्धि हुई और महंगाई कुलांच भरने लगी। जो कालांतर

को नजरंदाज करना है। सऊदी अरब का नया अभियान उसकी साझेदारियों की भी परीक्षा लेता है। पहले फ्रांस और ब्रिटेन ने सैन्य सहयोग का पेशकश की थी, जबकि अमेरिका ने कथित तौर पर सीधी भागीदारी से परहेज किया और प्रतिस्पर्धी सैन्य जरूरतों के बीच नियोजित हमले रद्द कर दिए। रियाद को बुनियादी ढांचे की रक्षा में मदद मिल सकती है, लेकिन बाहरी साझेदारों की एक ओर अंतहीन मुहिम में खिंचने की कोई इच्छा नहीं दिखती। धार्मिक पहलू पर सावधानी जरूरी है, खासकर जब यमन की तुलना सीरिया से की जाए। इस्लाम इनमें से किसी भी संघर्ष की एकमात्र व्याख्या नि्ध ारित नहीं करता, और न ही किसी भी युद्ध को केवल सुन्नी-शिया संघर्ष तक सीमित किया जा सकता है। एशिया के बीच जहाजगमन को जोड़ता है, और उसमें बाधा से बीमा तथा परिवहन लागत बढ़ सकती है, माल की आपूर्ति में देरी हो सकती है और ऊर्जा बाजार अस्थिर हो सकते हैं। एक घरेलू युद्ध को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खतरें में बदल देने की हतियों की क्षमता उन्हें उनकी पारंपरिक सैन्य ताकत से कहीं ज्यादा प्रभाव देती है। क्षेत्रीय राजनीति सऊदी गणनाओं को और जटिल बनाती है। हतियों के साथ आगमि लक्ष्य वाला लंबा संघर्ष बन गया। हवाई शक्ति और नाकेबंदी दबाव बना सकती थी, लेकिन उन्होंने उन शिकायतों को भी गहरा करने का जोखिम उठाया जिनका इस्तेमाल हूती भर्ती और लामबंदी के लिए

राशिफल

खतरों का हवाला देते हुए केंद्र सरकार इस आदेश को हर साल आगे बढ़ाती रही है। लॉरेंस बिश्नोई की तरह ही उसके छोटे भाई अनमोल बिश्नोई को भी पूछताछ के लिए एक साल तक तिहाड़ जेल से बाहर न निकालने के आदेश दिए गए हैं। गृह मंत्रालय ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 300 के तहत यह आदेश जारी किया है। जिसके मुताबिक अनमोल का किसी भी राज्य की पुलिस या केंद्रीय एजेंसियां अगले एक साल तक ट्रॉजिट रिमांड नहीं ले पाएंगी। इन आदेशों के पीछे कारण बताया जा रहा है कि लॉरेंस भाइयों को उसके विरोधी गैंगस्टर हिमांशु भाऊ, दविंदर सिंह बबित्हा, नीरज भगवान, कोशल चौधरी, जग्गू भगवानपुरिया, गोन्डी बराड और रोहित गोदारा जैसों से जान को

मेप :-

मेप :- भावना से उद्देहित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पाले। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।
वृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कार्यों को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।
मिथुन :- भावनाओं पर नियंत्रणरख अपने दावित्यों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।
कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साध न में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।
सिंह :- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुःखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।
कन्या :- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।
तुला :- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।
वृश्चिक :- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निरुक्तता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्राप्तन मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।
धनु :- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्देहित करेंगी।
मकर :- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।
कुंभ :- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।
मीन :- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

झर की सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान होना है। ऐसे में मुलाकात को मौजूदा MLC चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव की राजनीतिक गतिविधियों से जोड़कर देखा जा रहा है। बीजेपी ने इस मुलाकात को औपचारिक बताया है। इसके बावजूद राजनीतिक गलियायों में यह सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों पक्षों के बीच भविष्य में किसी मुद्दे पर तालमेल की गुंजाइश बन सकती है। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 11 सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होना है। इनमें पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीटें शामिल हैं। इन चुनावों में बीजेपी और समाजवादी पार्टी समेत विभिन्न दलों के उम्मीदवार मैदान में हैं। लखनऊ स्नातक सीट से समाजवादी पार्टी ने कांति सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वह प्रतापगढ़ से सपा सांसद एसपी सिंह कुंडा की पत्नी हैं। प्रतापगढ़ और कुंडा की राजनीति में राजा भैया की लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी वजह से बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की उनसे मुलाकात को मौजूदा चुनावी माहौल के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। हालांकि, इस मुलाकात पर एमएलसी चुनाव को लेकर क्या बातचीत हुई, इसकी विस्तृत जानकारी जानकारी सामने नहीं आई है। घुसराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के जरिए अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाई है। वह कुंडा विधानसभा सीट से लगातार चुनाव जीतते रहे हैं और प्रतापगढ़ के आसपास के क्षेत्रों में उनका राजनीतिक प्रभाव रहा है। 2022 के विधानसभा चुनाव में राजा भैया ने कुंडा सीट से सातवीं बार जीत दर्ज की थी। बाबागंज क्षेत्र में भी उनके समर्थित उम्मीदवारों की भूमिका चर्चा में रही है। ऐसे में 2027 के चुनाव से पहले स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को लेकर उनकी भूमिका पर नजर रखी जा रही है।

खाली कर दिया। भारी भीड़ और तंग व्यवस्था के बावजूद एंगुलेंस निना किसी रुकावट के सुरक्षित निकल गई। एंगुलेंस के आगे बढ़ते जाने के बाद ही शोभायात्रा अपने तय मार्ग पर पुनः आगे बढ़ी। इस समय घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इंटरनेट यूजर और आम जनता मुख्यमंत्री की इस मानवीय पहल की जमकर सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि इतने बड़े धार्मिक आयोजन और भारी भीड़ के बीच वीआईपी प्रोटोकॉल को दरकिनारा कर एक आम मरीज की जान को प्राथमिकता देना सच्चे नेतृत्व और संवेदशीलता की पहचान है।

हत्यारोपियों के इंकाउंटर की उठी मांग

दो -दो करोड़ का मुआवजा और एक -एक सरकारी नौकरी दे सरकार

स्वाभिमान जागरण देवरिया। वकील और विनय यादव हत्याकांड के मामले में पोस्टमार्टम के बाद लाश रखकर आक्रोशित ग्रामीणों ने एक घंटे तक धरना दिया। दोनों परिवारों ने मांगा दो—दो करोड़ मुआवजा अपराधियों की गिरफ्तारी, घटना के पर्दाफाश और परिवारों के एक—एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग करते हुए आरोपियों के काउंटर की मांग की। रामजानकी मार्ग पर बढ़या हरदो के पास दो युवकों की निर्मम

हत्या के मामले में मृतकों के परिजनों ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। बुधवार को दोनों परिवारों की ओर से उपजिलाधिकारी सलेमपुर को मांग पत्र सौंपकर हत्यारोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और घटना का पर्दाफाश करने सहित कई मांगें उठाई गईं। परिजनों ने दोनों परिवारों को दो—दो करोड़ रुपये मुआवजा तथा प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार, 20 अक्टूबर को

रामजानकी मार्ग पर वकील यादव पुत्र स्वर्गीय राजदेव यादव, निवासी करजहां, थाना मईल तथा विनय यादव पुत्र स्वर्गीय रामछबीला यादव, निवासी इटहुरा हजाम, थाना मईल की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद दोनों परिवारों की ओर से पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया गया, लेकिन परिजनों का आरोप है कि अभी तक अपराधियों के खिलाफ कोई दोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे दोनों परिवारों में आक्रोश और असंतोष

व्याप्त है। मृतक वकील यादव की पत्नी कौशल्या देवी और विनय यादव की पत्नी रिकी देवी की ओर से सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया है कि हत्याकांड के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर घटना का शीघ्र खुलासा किया जाए। इसके साथ ही दोनों परिवारों को दो—दो करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई जाए। ज्ञापन में घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ

कठोर कार्रवाई करते हुए उनका एनकाउंटर किए जाने की मांग भी की गई है। परिजनों ने मांगों को सार्वजनिक रूप से पूरा करने की घोषणा करने तथा लिखित रूप में आश्वासन देने की मांग प्रशासन से की है। हत्याकांड के बाद दोनों परिवारों में शोक और आक्रोश का माहौल है। परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी और न्याय मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन उनकी मांगों पर क्या कदम उठाता है।

जनभावना का सम्मान, स्वाभिमान जागरण की पहल पर मईल चौराहा पर लगी पुलिस बैरिकेडिंग, दशहरा मेले में राहगीरों को मिली राहत

स्वाभिमान जागरण, मईल (देवरिया)। पत्रकारिता का धर्म केवल खबर दिखाना नहीं, जनसमस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाकर समाधान कराना भी है। इसका जीता जागता उदाहरण मईल चौराहा पर देखने को मिला। स्वाभिमान जागरण देवरिया ने 16 अक्टूबर के अंक में प्रमुखता से मईल चौराहा पर बढ़ती मार्ग दुर्घटनाओं और यातायात अव्यवस्था का मुद्दा उठाया था और पुलिस बैरिकेडिंग की मांग की थी। उस खबर का असर हुआ है। पुलिस ने मईल चौराहा पर बैरिकेडिंग लगा दी है। इस पहल से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। राहगीरों, दुकानदारों और मेले में आने वाले श्रद्धालुओं ने स्वाभिमान जागरण और देवरिया पुलिस का आभार व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि दशहरा मेला के समय चौराहे पर वाहनों की तेज गति से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी, अब बैरिकेडिंग से गति नियंत्रित होगी और पैदल

चलने वालों को सुरक्षित रास्ता मिलेगा। इस संबंध में मईल थानाध्यक्ष विकास नाथ ने बताया कि थाना क्षेत्र में आए दिन बढ़ती मार्ग दुर्घटनाओं

तिवारी,सपा नेता वीरेंद्र चौधरी, अखिल भारत हिन्दू महासभा जिलाध्यक्ष राकेश सिंह, संतोष कुमार सिंह, रामू यादव, जय मिश्र, वरुण मिश्र, भोला तिवारी



को देखते हुए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाया गया है। इससे आवागमन में आसानी होगी और तेज गति से चलने वाले वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण रहेगा, जिससे मार्ग दुर्घटनाओं में कमी आएगी। प्रशासन के द्वारा बैरिकेडिंग लगाए जाने पर लार रोड बीजेपी मण्डल प्रभारी कन्हैया

सहित सैकड़ों लोगों ने स्वाभिमान जागरण एवं देवरिया जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया है। अब दशहरा मेले में चौराहे से गुजरने वाले हर वाहन की गति पर नजर रहेगी। पुलिस की यह सक्रियता दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाएगी और मईल क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित आवागमन का भरोसा देगी।

भाव और भक्ति के बीच भागलपुर में मां दुर्गा का विसर्जन, प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में शांतिपूर्ण रहा कार्यक्रम



स्वाभिमान जागरण, मईल (देवरिया)। मईल थाना क्षेत्र के भागलपुर में नवरात्र की समाप्ति पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन भाव और भक्ति के बीच देर रात तक होता रहा। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी-अपनी प्रतिमाओं के साथ पहुंचे। जय माता दी के गगनभेदी

जयकारों और ढोल की थाप के बीच मां को विदाई दी गई। विसर्जन के दौरान भक्तों की आंखें नम थीं, लेकिन चेहरे पर आस्था की चमक थी। हर श्रद्धालु यही कामना करता दिखा कि अगले वर्ष मां फिर से आएँ और क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। इस अवसर पर सुरक्षा और शांति

किसान-पुलिस में झड़प, धक्का-मुक्की,सपा नेताओं को टांग कर ले गई पुलिस

संवाददाता नोएडा। ग्रेटर नोएडा में जमीन का सही मुआवजा देने की मांग को लेकर धरना देने जा रहे किसानों को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। यमुना प्राधिकरण से करीब 1 किमी पहले एफएनजी मॉल के सामने किसान और पुलिस की भिड़ंत हो गई। ६ ाक्का-मुक्की के बीच पुलिस प्रदर्शन कर रहे महिला-पुरुषों को टांग कर ले गई। किसान नेता सुखबीर खलीफा और रुपेश वर्मा के आह्वान पर बुधवार को किसान प्राधिकरण कार्यालय जा रहे थे। पुलिस ने कई किसानों को हिरासत में ले लिया है। किसान 10% विकसित प्लॉट, 64: अतिरिक्त मुआवजे और आबादी से जुड़े मामलों को निपटाने की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि उन्हें अब तक 10% विकसित प्लॉट और 64% अतिरिक्त मुआवजा नहीं मिला है। आबादी से जुड़े कई मामले भी लंबित हैं। इन मांगों को लेकर किसान लंबे समय से प्राधि ाकरण से समाधान की मांग कर रहे हैं। इसी के विरोध में बुधवार को ६ ारना देने का ऐलान किया गया था। धरने में शामिल होने के लिए किसान जुट रहे थे। वे प्राधि ाकरण कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगें उठाना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया।

कई किसानों को हिरासत में भी लिया गया। हालांकि, कितने किसानों को हिरासत में लिया

विकसित प्लॉट समेत किसानों की प्रमुख मांगों को लेकर 21 अक्टूबर 2026 से यमुना प्राधिकरण पर

इसके बाद 17 अगस्त और 9 से 16 सितंबर तक भी आंदोलन किया गया। इस दौरान किसानों ने



गया और उन्हें कहां ले जाया गया, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। 8 अक्टूबर को सेक्टर-144 में पेमे चौहान के आवास पर किसान संघर्ष मोर्चा की बैठक हुई। इसमें किसान संगठनों के नेताओं ने सर्वसम्मति से फैसला लिया कि 10%

अनिश्चितकालीन महापड़ाव शुरू किया जाएगा। किसानों ने तय किया है कि मांगों का दोस समाध ान होने तक महापड़ाव जारी रहेगा। किसान संघर्ष मोर्चा के वरिष्ठ नेता सुखबीर खलीफा ने बताया कि मोर्चा 17 जुलाई से लगातार आंदोलन चल रहा है।

गिरफ्तारियां दीं और तीनों प्राधि ाकरणों के अधिकारियों के साथ कई दौर की वार्ता भी हुई। इसके बावजूद 10% विकसित प्लॉट की मांग पर अब तक कोई दोस समाध ान नहीं निकला है। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और किसान संघर्ष मोर्चा के नेता सोरन

आगरा में धोखाधड़ी के दो मामले: न संपत्ति मिली, न 8 लाख लौटे, पहले बिके मकान का 11.80 लाख में सौदा

संवाददाता आगरा। आधार हाउसिंग फाइनेंस बैंक की नीलामी में संपत्ति खरीदने के लिए महिला ने 8 लाख रुपये जमा किए थे। संपत्ति उसके नाम

आधार हाउसिंग फाइनेंस बैंक की नीलामी में उन्होंने एक संपत्ति खरीदी थी। 27 फरवरी, 2026 को बैंक खाते में 8 लाख रुपये जमा कराए। तब बैंक ने 15 दिन में संपत्ति उनके



नहीं हुई। रकम भी वापस दी जा रही है। पीड़िता ने बैंक प्रबंधन पर धोखाधड़ी का आरोप लगाकर थाना सदर बाजार में प्राथमिकी दर्ज कराई है। नगला भवानी सिंह निवासी रजनी ने थाने में तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया कि संजय प्लेस स्थित

नाम कराने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद 30 सितंबर 2026 तक न तो संपत्ति उनके नाम की गई और न ही जमा रकम वापस दी गई। बिके हुए मकान का सौदा कर 11.80 लाख रुपये लेने का आरोप लगाकर पीड़ित ने तीन भाइयों के

खिलाफ पुलिस आयुक्त से शिकायत की। थाना कमला नगर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच में लगी है। कृष्णा विहार कॉलोनी निवासी कृष्ण गोपाल गुप्ता ने आरोप लगाया था कि 17 जुलाई, 2026 को उन्होंने पवन कुमार गर्ग, सुनील कुमार गर्ग और प्रवीण कुमार गर्ग से खुशी एन्क्लेव स्थित दो मंजिला मकान का सौदा 24 लाख रुपये में किया था। 11.80 लाख रुपये अग्रिम दे दिए। इसमें 9.80 लाख रुपये पवन कुमार गर्ग और अमन कुमार गर्ग की फर्म श्री दारुजी स्वीट्स के खाते में स्थानांतरित किए गए, जबकि दो लाख रुपये नकद दिए थे। शेष 12.20 लाख रुपये रजिस्ट्री के समय देने तय हुआ था। इसके बाद उन्होंने मकान खरीदने के लिए बैंक में ऋण के लिए आवेदन किया। बैंक ने इकरारनामे के आधार पर सब रजिस्ट्रार कार्यालय से संपत्ति की खोज रिपोर्ट निकलवाई तो पता चला कि मकान 5 फरवरी 2025 को ही ललित मल्होत्रा नाम के युवक को बेचा जा चुका है।

कंपाउंडर की मौत का मामला: पुलिस ने ली बेटे की जान, बिलख पड़ा बुजुर्ग पिता; दो मासूम बेटियां हो गई अनाथ

संवाददाता आगरा। मेरे बेटे की पुलिसकर्मियों ने जान ले ली है। नवरात्र में उसकी दो बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया। अब वो किसे पापा—पापा कहकर बुलाएंगी। पुलिस नहीं आती तो जान नहीं जाती। अब पूरे मामले की लीपापोती की जा रही है। जांच एसीपी को दी गई है। बावजूद इसके दो दरोगा आए थे। वह बयान लेकर चले गए। तहरीर की रिसीविंग कर नहीं दी। आरोपी पुलिसकर्मियों को बचाया जा रहा है। परिवार न्याय चाहता है। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। यह कहते हुए रावली निवासी चंदन सिंह रो पड़ते हैं। वह कंपाउंडर बेटे ललित की मौत से दुखी हैं। रावली निवासी चंदन सिंह आवास बिलकाल में कार्यरत थे। बाद में नौकरी छोड़ दी। ठेकेदारी शुरू कर दी। 74 साल की उम्र हो गई है। वह बताते हैं कि वृद्धावस्था पेंशन मिलती है। इससे ही खर्च चलता है। ललित

बड़ा बेटा था। उसकी शादी वर्ष 2016 में कुसुमा से हुई थी। दो बेटियां आठ साल की वंशिका और 1.5 माह की भाग्यश्री हैं। बताया कि



बड़ी पोती बार—बार पिता को देख रही है। उन्हें तलाश रही है। उसे समझाकर चुप कर देते हैं। पुत्रवधू होने की जानकारी दी और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके से हटा दिया है।

पहले उसका सुहाग छिन गया। अब कोई सहारा भी नहीं है। शासन की तरफ से किसी तरह की मदद भी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि

एक युवक ने पुलिसकर्मियों को जाते देखा था। उसका नंबर लेकर बात की। वह घर में नहीं था। उसे अब बयान के लिए बुलाया है। इसके बाद चले गए। तहरीर की कोई रिसीविंग नहीं दी गई। ऐसे में न्याय की आस पूरी होती नहीं दिख रही है। पिता ने दोषियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पीड़ित पिता का आरोप है कि जिस फाटक के अंदर छत से गिरकर बेटे की जान ली गई, वहां पर सामने ही एक घर पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद पुलिसकर्मियों ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। पुलिसकर्मी फाटक के सामने लगे कैमरे से चिप

गए। उन्हें घर आकर किसी ने जानकारी दी। घटनास्थल पर भाई खून से लथपथ मिला। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। अगर घटना के बाद पुलिसकर्मी घायल भाई को अस्पताल ले जाते तो उसकी जान भी बच सकती थी। मगर उन्होंने ऐसा नहीं किया। थाना रकाबगंज की चीता मोबाइल पर तैनात सिपाही आकाश शर्मा और शुभम राठी शुक्रवार रात को फाटक वाली बिल्डिंग पहुंचे। छत पर ताश खेल रहे युवकों को पकड़ने का प्रयास किया। चार युवक भाग गए। आरोप है कि कंपाउंडर ललित को सिपाहियों ने पकड़ लिया। झड़प के दौरान ललित की छत से गिरकर मौत हो गई। पिता की ओर से आरोप यह भी लगाया गया कि रुपये न लूट पाने पर पुलिसकर्मियों ने छत से बेटे को फेंककर हत्या कर दी। इसके बाद सिपाही भाग गए। हालांकि उन्हें निर्मलंबित किया गया। झड़प की बात से पुलिस अधिकारी इन्कार कर रहे हैं।

करवाचौथ से पहले सोना-चांदी का गिर गया भाव, इतना हो गया सस्ता; सराफा बाजार में छाई रौनक

संवाददाता आगरा। सराफा बाजार में सुहागनों की भीड़ से पायल बजने लगी है और बिछुआ चमक रहे हैं। सोना और चांदी के भाव में आई मंदी से करवाचौथ से पहले बाजार की खिलखिला उठा है। कीमती धातुओं के दाम में गिरावट से लुहार गली, फव्वारा, सिंधी बाजार, लोहामंडी और शाहगंज के सराफा बाजार और शाहगंज के सराफा बाजार की आमद तेज हो गई है। सोने का भाव 1,45,000 रुपये प्रति दस ग्राम है, जबकि चांदी 2.12 लाख रुपये प्रति किलो है। करवाचौथ से ठीक पहले सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट ने सराफा बाजार की रौनक ला दी है। लंबे समय से महंगी चांदी के कारण जो महिलाएं आर्टिफिशियल

आभूषणों की ओर रुख कर रही थीं, उन्होंने अब फिर से पारंपरिक शुद्ध चांदी की पायल और बिछुआ की खरीदारी शुरू कर दी है। त्योहारी बाजार में सुहागिनों की चमक दोगुनी हो गई है। आगरा सराफा मैन्यूफैक्चर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजमोहन रेपुरिया ने बताया कि पिछले महीने चांदी के भाव 2.40 लाख रुपये थे। ऐसे में त्योहारी सीजन प्रभावित होने की आशंका थी। ग्राहक बेहद हल्के वजन के आभूषण मांग रहे थे। करवाचौथ के मौके पर कीमतों में नरसी आने से बाजार का ट्रेंड पलट गया है। श्री सराफा कमेटी के अध्यक्ष धन कुमार जैन ने बताया कि शगुन के लिए अब एक बार

फिर से 100 से 150 ग्राम तक की भारी और डिजाइनर पायलों की मांग आ रही है। इसके साथ ही मीनाकारी, कुंदन और घुंघरू वाले बिछुआ भी जमकर बिक रहे हैं। चौबे जी फाटक स्थित कारोबारी तरुण अग्रवाल ने बताया कि कीमतों की नरमी ने ग्राहकों के त्योहारों पर राहत दी है। भाव गिरने से करवाचौथ के बाजार में अचानक उछाल आया है। जो महिलाएं पहले सिर्फ रस्म अदायगी के लिए एलार्ज पायल देख रही थीं, वे अब मनपसंद वजन के डिजाइनर पायल—बिछुआ खरीद रही हैं। शहर के किनारी बाजार, सिंधी बाजार, सदर मंडी और नमक की मंडी जैसे प्रमुख सराफा बाजारों में भी जमकर खरीदारी चल रही है।

बंजर जमीन पर उग रही युवाओं के भविष्य की फसल, नौ साल में सैकड़ों जवानों की बदली तकदीर

संवाददाता आगरा। आगरा—ग्वालियर रोड पर गांव बाद में अंग्रेजों के जमाने की खंडहर कोठी के आसपास बंजर पड़ी जमीन आज युवाओं के सपने को हकीकत में बदलने वाला स्थान बन गई है। इस जमीन पर नौ साल पहले क्षेत्र के युवाओं ने अपने हाथों से रनिंग ट्रैक तैयार किया था। तब शुरू हुआ यह प्रयास आज भर्ती की तैयारी करने वाले सैकड़ों युवाओं का सहायक बन चुका है। सुबह होते ही यहां सैकड़ों युवा दौड़ते दिखते हैं। किसी का सपना फौजी बनना है। कोई पुलिस और अर्धसैनिक बल में जाने के लिए परीना बहा रहा है। खास बात यह है कि अब बेटियां भी लड़कों के साथ इसी ट्रैक पर दौड़कर शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी

कर रही हैं। गांव बाद का यह रनिंग ट्रैक किसी सरकारी योजना से तैयार नहीं हुआ। कुछ साल पहले क्षेत्र के युवाओं ने मिलकर करीब 40 दिन की कड़ी मेहनत से



बंजर जमीन को समतल कर इसे तैयार किया था। युवाओं की मेहनत से तैयार हुआ यह ट्रैक धीरे—धीरे आसपास के गांवों के युवाओं के लिए भर्ती की तैयारी का प्रमुख केंद्र

बन गया। इसमें शमसाबाद, सैंथा, बरौली अहीर, अकोला ब्लॉक के करीब 15 से अधिक गांवों के युवा रोजाना सुबह—शाम पहुंचते हैं। यहां अभ्यास करने वाले तमाम युवा विभिन्न सुरक्षा

लगाने वाले कुठावली गांव के प्रीतम, नगला शीशियां के लवकुश कुशवाह, इटौरा के अजीत ठाकुर, ककुआ गांव के हरेंद्र, घड़ी के योगेश कुशवाह, बाद गांव के मनीष चाहर, तौंडरा के शुभम, अभिषेक चाहर, कैलाश,अमित चाहर, पुष्पेंद्र सिंह, आलोक सिंह, रवि कुशवाहा, नरेश झा, विवेक सिंह, जतिन, इकबाल खान, अरुण चाहर, शिवा आदि युवाओं ने नौकरी प्राप्त की है। मैं यूपी पुलिस की शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी कर रही हूं। लक्ष्य पाने के लिए नियमित अभ्यास जरूरी है। ऑर्डिनेंस विभाग में भर्ती के लिए फिजिकल की तैयारी कर रहा हूं। कई लड़कों के साथ मिलकर दौड़ लगाने से प्रतिस्पर्धी माहौल मिलता है।

बलों में चयनित होकर सेवाएं भी दे रहे हैं। बीते एक साल में क्षेत्र के युवाओं ने पुलिस, अर्धसैनिक बल एवं सेना के साथ अन्य नौकरियों में सफलता हासिल की है। यहां दौड़

स्वाभिमान जागरण
हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक इम्तियाज़ अंसारी द्वारा सुपीरियर प्रिन्टर्स 245 माहम सिटी तिकोनिया पारा लखनऊ,(ॐ०५०)-11 से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजीमार्ग हुसैनगंज लखनऊ ॐ0५0-01 से प्रकाशित।
संपादक आलोक कुमार केसरवानी प्रधान संपादक इम्तियाज़ अंसारी 6392273876
Email- dainikswabhimanjagran.india@gmail.com
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं अस्थायी है सम्मत विवादों का न्याय छत्र लखनू मान्य होगा।